

हाय महंगाई..

यह जगाहिर है कि पिछले करीब ढाई-तीन साल के दौरान आम लोगों के लिए महंगाई कैसी समस्या बन चुकी है। आय के मुकाबले बाजार में न केवल आम उपयोग के, बल्कि जीवन के लिए जरूरी चीजों की कीमतें भी जिस स्तर पर बढ़ी हुई थीं, उससे लोगों की परेशानी बढ़ी। हालांकि इस बीच सरकार ने लगातार ऐसे प्रयास किये, जिससे जरूरत की वस्तुओं के मूल्य कुछ स्थिर हो सकें। लेकिन बाजार की अपनी गति रही और महंगाई की चुनौती बनी रही। काफी समय बाद अब इस मोर्चे पर साधारण लोगों के लिए यह राहत की खबर है कि खुदरा महंगाई दर पिछले एक साल में सबसे नीचे पहुंच गई है। दरअसल, बीते साल नवंबर के मुकाबले दिसंबर में खुदरा महंगाई दर में आई कमी ने एक बार फिर यह उम्मीद पैदा की है कि अगर यह स्थिति बनी रहती है तो देश की अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे पटरी पर आ जाएगी। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर 2022 में खुदरा महंगाई दर जहां 5.88 फीसद थी, वह दिसंबर में यह 5.72 फीसद दर्ज की गई। हो सकता है कि आंकड़ों के लिहाज से इसे कोई बड़ा फेरबदल नहीं माना जाये, लेकिन कई बार बाजार में जरूरी चीजों की कीमतों में आई कुछ कमी साधारण लोगों के लिए किसी उम्मीद कम नहीं होती। बाजार में जरूरी चीजों के खुदरा मूल्यों में आई गिरावट को जहां देश में एक बड़ी समस्या से राहत के रूप में देखा जा रहा है, वहीं इसकी अहमियत इस रूप में है कि यह जरूरत के लिए उपयोग के लिए बहुत ज्यादा लागती है।

कारिक अभियान, खुदरा महसूसद 8 फीसद र में यह 5 दर्ज की गयी है कि आंव इसे इसे कोने नहीं मानता

म भा दज का जा रहा है कि जिस दर म समूचा दुनिया महागँड़ से उपजा समस्याओं का सामना कर रही है, वैसे में भारत ने इस मोर्चे पर उभरी मुश्किलों को कुछ कम करने में कामयाबी हासिल की है। गौरतलब है कि खुले बाजार में खुदरा महांगई दर के आकलन के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक को आधार बनाया जाता है, जिसमें ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सेवाओं के इस्तेमाल को कसौटी माना जाता है। इसमें ग्रामीण क्षेत्र के लिए चार सौ अड़तालीस और शहरी क्षेत्रों के लिए चार सौ साठ वस्तुओं और सेवाओं को शामिल किया गया है। यों खुले बाजार में ऐसी तमाम वस्तुएं होती हैं, जिनकी कीमतों तक लोगों की पहुंच उसकी खरीदारी को तय करती है। लेकिन मुख्य रूप से रोजमरा की जरूरी और खासतौर पर खाने-पीने की चीजों के दाम से महांगई की तीव्रता दर्ज की जाती है। यह छिपा नहीं है कि पिछले काफी समय से सब्जियों के ऊंचे दाम ने लोगों की थाली को कुछ हद तक खाली रखना शुरू कर दिया था। अब इस मौसम में सब्जियों के साथ-साथ कुछ अन्य खाद्यान्धों की कीमत कम होने से महांगई की चुनौती कमज़ेर पड़ती दिख रही है। दरअसल, खरीफ फसलों की कटाई नवंबर तक पूरी हो जाती है और उनके बाजार में अनें से इस मौसम में मदद मिलती है। यों सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक को खुदरा महांगई को दो फीसद के उत्तर-चढ़ाव के साथ चार फीसद पर बनाये रखने का लक्ष्य दिया हुआ है।

हमारे बाजरे से रुबरु होंगे दुनिया भर के देश

वह दिन दूर नहीं जब दुनिया के देश हमारे बाजरे के स्वाद से रुक्खरु होंगे। आज मोटे अनाज को देश और विदेश दोनों जगह लोकप्रिय बनाना शुरू हो गया है। अब भारत के मोटे अनाज खासतौर से बाजरा को दुनिया के देशों में पहुंचने की पहल आरंभ हुई है। सरकार ने विदेशों में मोटे अनाज को लोकप्रिय बनाने और बाजरा आदि के निर्यात को बढ़ाने का पूरा रोडमैप तैयार कर कियान्वयन आरंभ कर दिया है। एपिडा सहित अन्य निर्यातक संस्थाओं द्वारा इसके लिए संयुक्त प्रयास किये जा रहे हैं तो विदेशों में रोड शो, फूड फेस्टिवल, कॉन्क्लेव आदि के आयोजन से मोटे अनाज से बने उत्पादों से विदेशियों को आकर्षित करने और निर्यात को बढ़ावा देने के प्रयास शुरू हो गये हैं। दिल्ली में सांसदों का लंच में मोटे अनाज से तैयार व्यंजन दिये जा चुके हैं। अन्य आयोजनों में भी मोटे अनाज से तैयार व्यंजनों को भी प्रमुखता से स्थान दिया जा रहा है। बाजरा व अन्य मोटे अनाज और उनसे तैयार उत्पादों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बाजार तैयार करने की सकारात्मक शुरूआत हुई है जिसके परिणाम प्राप्त भी होने लगे हैं। यही कोई चार-पांच दशक पुरानी बात होगी। संदर्भ तो राजस्थान से ही ले रहा हूँ पर कम्पोबेश यही स्थिति देश के अन्य प्रदेशों में भी रही होगी। जब घर पर कोई मेहमान आता था तो जी-त्योहार होता था तभी घर में मोटे के रूप में चावल और गेहूँ की चपाती बना करती थी। अन्यथा दिन प्रतिदिन का खाना तो सदियों में बाजरा-मक्का की रोटी, बाजरा की राबड़ी या मक्के की दलिया या गर्मियों में जौ की दलिया और इसके साथ इसी तरह से मोटे अनाज की रोटी और हरी सब्जियां, कढ़ी जिसे गांव-देहात में खाटा कहकर पुकारा जाता था बड़े चाव से खाते थे। फिर एक दौर चला जब मोटे अनाज की जगह गेहूँ ने ले ली और फिर आज तो लोग गेहूँ-चावल को भी छोड़कर जंक फूड पर जोर देने

दिल्ली में सांसदों को
लंच में मोटे अनाज से
तैयार व्यंजन दिये जा चुके
हैं। बाजरा व अन्य मोटे
अनाज और उनसे तैयार
उत्पादों के लिए
अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर
बाजार तैयार करने की
सकारात्मक शुरूआत हुई

खाद्यान्न
सेलर मीट जैसे आयोजन आरंभ कर दिए गए हैं। उत्पादकों और उपभोक्ताओं के बीच सीधा संवाद कायम करने की कार्ययोजना पर अमल शुरू हो गया है। दरअसल अब लोगों को समझ आने लगा है कि कुपोषण के खिलाफ मोटा अनाज हथियार के रूप में उपयोग में लाया जा सकता है तो दूसरी ओर हाइपरटेंशन और शुगर जैसी बीमारियों में भी मोटा अनाज कागर सिद्ध हो सकता है अन्तरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष के फायदा उठाने के लिए नई रणनीति के अनुसार आगे बढ़ना होगा हालांकि सरकार ने दक्षिण अफ्रीका, दुर्बी, जापान, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया, जर्मनी, अमेरिका, इंग्लैण्ड सहित विदेश में रोड शो, प्रदर्शनी, फूड फेस्टिवल आदि आयोजित करने का रोडमेप तैयार किया गया है निश्चित रूप से इसके परिणाम सकारात्मक ही प्राप्त होंगे।



जल पर्यटन से खुल सकते हैं विकास के कई द्वार



कमलश पाठ्य

उम्मीद है कि क्रूज संचालन में विभिन्न राज्य सरकारें व बांगलादेश की सरकार हरसंभव मदद करेंगी, ताकि सुरक्षित माहौल में जल पर्यटन को समस्त सम्भावनाओं का विकास हो सके। इस बात में कोई दो राय नहीं कि गंगा विलास जल परिवहन के क्षेत्र में भी सम्भावनाओं के नये द्वारा खोलेगा, जिससे रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। अपने इस ऐतिहासिक कदम से प्रधानमंत्री ने ट्रांसपोर्टेशन से ट्रांसफॉर्मेशन यानी परिवहन से परिवर्तन करने का अपना वायदा भी पूरा कर लिया है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में मर्ली मॉडल टर्मिनल, यूपी-बिहार में फ्लोटिंग जेटी, असम में सुमुद्री बाहन कौशल केंद्र, जहाज मरम्मत केंद्र, टर्मिनल कर्नेवलविटी परियोजना का भी शिलान्यास व लोकार्पण किया है, उससे इस बात की उम्मीद जगी है कि क्रूज पर्यटन के अलावा सरकार यहां पर जल यातायात और माल परिवहन की सम्भवनाओं को भी विस्तार देने वाली है। यदि ऐसा हुआ तो लैंड लॉक स्टेट समझे जाने वाले यूपी-बिहार के कृषि उत्पादों को जल मार्ग द्वारा अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भेजना और सस्ता हो जायेगा। इसे कहते हैं - एक पथ, दो काज। आप मानें या न मानें, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कदम यूपी-बिहार के लिए विशेष मायने इसलिए भी रखता है, क्योंकि बड़ी आवादी को कृषि और पशुपालन के अलावा पर्यटन के क्षेत्र में भी नया काम मिलेगा।

न, भारत व
जैसे-जैसे
रेसे भारत द
को जानने
झुने की उ
है। जल,
आने और
क्रूज यात
लहदा अनु

ट सिटी के उद्घाटन से यह
आया कि निकट भविष्य में
अग्रा पटना इश्किद-

फोटो की दुनिया

राजस्थान में कांग्रेस को मिटाना होगा आपसी झगड़ा

A portrait of Ramesh Saraf Dharmora, a man with dark hair and a well-groomed mustache, wearing a light blue button-down shirt. He is looking slightly to his left with a neutral expression. The background is a soft pink.

रमेश सराफ धर्मोरा

प्रदेश प्रभारी रंधावा ने
जहां प्रदेश कांग्रेस के रिक्त
पड़े सभी 400 ब्लॉक
कांग्रेस अध्यक्षों में से
अधिकांश ब्लॉक अध्यक्षों
का मनोनयन करवा दिया
है। वहीं पहली बार
इकाई का भी गठन
करवाया जा रहा है।

राजनीति

राजस्थान में दिसंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पूरी तरह चुनावी मूड में लग रही है। प्रदेश में 18 दिन तक चली राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के बाद कांग्रेस संगठन सक्रिय हो गया है। कांग्रेस के नये प्रदेश प्रभारी सुखराजिंदर सिंह रंधावा ने पद संभालते ही लम्बे समय से रिक्त पड़े संगठन के पदों पर नियुक्तियां करवानी प्रारंभ करवा दी है। इससे संगठन में हलचल होने लगी है और सुस्त पड़े कार्यकर्ता भी अब तरोताजा लग रहे हैं। प्रदेश प्रभारी रंधावा ने जहां प्रदेश कांग्रेस के रिक्त पड़े सभी 400 ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों में से अधिकांश ब्लॉक अध्यक्षों का मनोनयन करवा दिया है। वहीं पहली बार मंडल इकाई का भी गठन करवाया जा रहा है। यह कांग्रेस में एक नई शुरूआत है। इससे बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को संगठन में पदाधिकारी बनाया जा सकेगा, जिससे कार्यकर्ता पार्टी उम्मीदवार के साथ जुट कर चुनाव में काम करेंगे। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा समाप्त होने के बाद 27 जनवरी से प्रदेश कांग्रेस कमेटी नया कार्यक्रम हाथ जोड़ो अभियान चलायेगी। 18 दिसंबर को अलवर के मालाखेड़ा में भारत जोड़ो यात्रा के तहत आयोजित जनसभा में राहुल गांधी ने कहा था कि मुझे भाजपा वाले बुरे नहीं लगते हैं। मैं रास्ते में जाता हूं तो इशारा करके पूछते हैं कि क्या कर रहे हो? मैं उन्हें जवाब देना चाहता हूं कि नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोल रहा हूं। आइये आप भी बाजार में मोहब्बत की दुकान खालिए। महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, सरदार पटेल, अंबेडकर साहब ने भी मोहब्बत की दुकान खोली थी। राहुल गांधी के भाषण की इन लाइनों को अब प्रदेश कांग्रेस कमेटी घर-घर पहुंचने का काम करेगी। इसके लिए पार्टी ने काम शुरू कर दिया है। इसी अभियान



रमेश सराफ धमोरा

प्रदेश प्रभारी रंधावा ने
जहां प्रदेश कांग्रेस के रिक्त
पड़े सभी 400 ब्लॉक
कांग्रेस अध्यक्षों में से
अधिकांश ब्लॉक अध्यक्षों
का मनोनयन करवा दिया
है। वहीं पहली बार मंडल
इकाई का भी गठन
करवाया जा रहा है।

राजनीति

के दौरान राजस्थान सरकार द्वारा गरीब परिवारों को 500 रुपये में गैस सिलेंडर देने की घोषणा कर जा चुकी है। चुनावी वर्ष में प्रशासन को भी और अधिक सक्रिय किया जा रहा है। सियासी तापमान नापने के लिए सभी जिला कलेक्टर और मंत्री भी जल्द ही गांव-कस्बों में महीने में दो बार जन सुनवाई कर रहे चौपाल लगायेंगे। चुनावी वर्ष में गुड गवर्नेंस को प्रभावी बनाने के लिए मुख्यमंत्री के निर्देश पर ऐसा होने जा रहा है। जिलों में जहां भी संभव होगा मॉर्टिंग-कलेक्टरों की मीटिंग्स को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जयपुर स्थित सचिवालय से भी जोड़ जायेगा, जिससे समस्याओं के हाथों-हाथ ही निपटाया जा सके। इस विषय में जयपुर के ओटीएस में चितन शिविर का आयोजन होगा। शिविर की मुख्य थीम ही गुड गवर्नेंस है।

प्रैट एंड किटनी ने इंडिया इंजीनियरिंग सेंटर का उद्घाटन किया

चैम्पैन। वैश्वक विमान और हेलीकोप्टर इंजन निर्माता और रेश्यॉन टेक्नोलॉजीज ग्रुप का हिस्सा प्रैट एंड किटनी ने गुरुवार को बैंगलुरु में अपने नए इंडिया इंजीनियरिंग सेंटर (आईसी) के लिए आधिकारिक तौर पर दरवाजे खोल दिए। कंपनी ने कहा कि 50 से अधिक कर्मचारी अब अत्याधिक सुविधा पर आधारित हैं, अपल चार वर्षों में अतिरिक्त 450 और अपने समर्थकों का भरा जाना है। वह सुविधा प्रैट एंड किटनी के भारत क्षमता केंद्र (आईसी) के साथ सह-स्थित है, जो एकोकूट वैश्वक आपूर्ति श्रृंखला समर्थन प्रदान करने के लिए 2022 में खोला गया था और हाल ही में ड्यूटान किए गए कोलोनियल एयरोपेस इंजीनियरिंग और वैश्वक संचालन केंद्र हैं।

कच्चा तेल 84 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में नर्मी का रुख है। पिछले 24 घंटे में ब्रैंट क्रूड एक फौसदी के जावा नियावट के सथ 84 डॉलर प्रति बैरल के करीब और बैरल के करीब कारोबार कर रहा है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तौर पर एवं गैस विधान कंपनियों ने घेरल बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कई बदलाव नहीं किया है।

टाटा साल्ट का गणतंत्र दिवस अभियान शुरू
रांची। टाटा साल्ट ने एक राष्ट्रीय गणतंत्र दिवस अभियान शुरू किया है। इस अभियान को देश के लिए #हरसालालउठेगा नाम दिया गया है। इस अभियान का उद्देश्य बच्चों को सावल उठाने के लिए एक ऐसा मंच बनाना है जिससे प्रासांगिक बातचीत को बढ़ावा दिया जा सके और सामाजिक परिवर्तन को बल मिल सके। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स की प्रेसिडेंट, पैकेज फूड्स-इंडिया, दीपिका भान ने कहा कि देश के लिए #हरसालालउठेगा एक ऐसा मंच है जो इन सास्त्रिक सवालों को सामने लाने का प्रयास करता है। हमें इस तरह के अतर्वादीय, उद्योगीक प्रश्न पहले ही प्राप्त हो चुके हैं और भावी पीढ़ी द्वारा कल्पित बदलाव एवं उनके अनुरक्ता से उत्पादित हैं।

अगले वित्त वर्ष में कोयला उत्पादन एक अरब टन से ज्यादा रहने का लक्ष्य

नई दिल्ली। सरकार ने बुखार को कहा कि वित्त वर्ष के लिए कोयला उत्पादन का लक्ष्य एक अरब टन से ज्यादा रखा गया है। कोयला मंत्रालय ने एक बयान में कहा, "कुल लक्ष्य में से सारकारी कंपनी कोल इंडिया को 78 करोड़ टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य दिया गया है। इसके साथ-साथ एकोर्सी कॉलरीज कंपनी लिंगिटेंड (एसीएसी) को 7.5 करोड़ टन और वाणिज्यिक खदानों से 16.2 करोड़ टन कोयले के उत्पादन का लक्ष्य दिया गया है।"

खतरा अब तो सीईओ सत्य नडेला ने भी कर दिया कन्फर्म

एजेंसी। नई दिल्ली
वैश्वक कंदी से डरी दुनिया भर की प्रौद्योगिकी कंपनियों बड़े पैमाने पर छठनी कर रही है। ट्रिवर, अमेजन, मेटा और ओलो के बाद दुनिया की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट भी इस साल अपने 10 हजार कर्मचारियों को बाहर करेगी। कंपनी के भारतीय मूल के मुख्य कार्यालय अधिकारी (सीईओ) सत्या नडेला ने कहा कि कंपनी को लिंगिटेंड के लिए एक अरब टन का लक्ष्य नियांत करना चाहिए।

कंपनी के लिए एक अरब टन का लक्ष्य नियांत करना चाहिए। इससे ज्यादा कर्मचारियों को बाहर करना चाहिए।

एजेंसी। नई दिल्ली
वैश्वक कंदी से डरी दुनिया भर की प्रौद्योगिकी कंपनियों बड़े पैमाने पर छठनी कर रही है। ट्रिवर, अमेजन, मेटा और ओलो के बाद दुनिया की कंपनी के कर्मचारियों के लिए लिंगिटेंड स्टेटर से ज्यादा कर्मचारियों की आधारित है। इससे ज्यादा कर्मचारियों को बाहर करना चाहिए।

कंपनी के लिए एक अरब टन का लक्ष्य नियांत करना चाहिए।

दिग्गज कारोबारी गौतम अडानी का ऐलान

फॉलो-ऑन शेयरों की खरीद पर 15 प्रतिशत छूट

एजेंसी। नई दिल्ली
गौतम अडानी की फॉलो-ऑन शेयरों को भारत की सबसे बड़ी फॉलो-ऑन शेयर विक्री में 10-15 प्रतिशत की छूट की पेशकश कर रही है। कंपनी को और अपने समर्थकों का बेस मजबूत करने का यह प्रयास है। अडानी एंटरप्राइजेज द्वारा एक्सचेंज में फाइलिंग के अनुसार, 3,112 रुपये से 3,276 रुपये के प्राइस बैंड में शेयर बेचकर 2.15 बिलियन डॉलर जुटाने की कोशिश है।

बलमर्बान न्यूज के अनुसार, बड़े निवेशकों को मौजूदा बाजार मूल्य पर 10 प्रतिशत की रियात मिलेगी, जबकि खुदरा निवेशक खरीदारी करने के लिए और भी कम भुगतान करें। इस कंपनी बाजार मूल्य पिछले एक साल में लगभग दोगुना हो गया है। कंपनी ने अपने प्रॉसेप्ट्स में कहा कि एक बैरल के साथ सह-स्थित है, जो एकोकूट वैश्वक आपूर्ति श्रृंखला समर्थन प्रदान करने के लिए 2022 में खोला गया था और हाल ही में ड्यूटान किए गए कोलोनियल एयरोपेस इंजीनियरिंग सेंटर और वैश्वक संचालन केंद्र (आईसी) के लिए आधिकारिक तौर पर दरवाजे खोल दिए।

कंपनी ने अपने नए प्रॉसेप्ट्स में कहा कि एक बैरल के साथ सह-स्थित है, जो एकोकूट वैश्वक आपूर्ति श्रृंखला समर्थन प्रदान करने के लिए एक अरब टन का लक्ष्य नियांत करना चाहिए।

कंपनी ने अपने नए प्रॉसेप्ट्स में कहा कि एक बैरल के साथ सह-स्थित है, जो एकोकूट वैश्वक आपूर्ति श्रृंखला समर्थन प्रदान करने के लिए एक अरब टन का लक्ष्य नियांत करना चाहिए।

कंपनी ने अपने नए प्रॉसेप्ट्स में कहा कि एक बैरल के साथ सह-स्थित है, जो एकोकूट वैश्वक आपूर्ति श्रृंखला समर्थन प्रदान करने के लिए एक अरब टन का लक्ष्य नियांत करना चाहिए।

कंपनी ने अपने नए प्रॉसेप्ट्स में कहा कि एक बैरल के साथ सह-स्थित है, जो एकोकूट वैश्वक आपूर्ति श्रृंखला समर्थन प्रदान करने के लिए एक अरब टन का लक्ष्य नियांत करना चाहिए।

कंपनी ने अपने नए प्रॉसेप्ट्स में कहा कि एक बैरल के साथ सह-स्थित है, जो एकोकूट वैश्वक आपूर्ति श्रृंखला समर्थन प्रदान करने के लिए एक अरब टन का लक्ष्य नियांत करना चाहिए।

कंपनी ने अपने नए प्रॉसेप्ट्स में कहा कि एक बैरल के साथ सह-स्थित है, जो एकोकूट वैश्वक आपूर्ति श्रृंखला समर्थन प्रदान करने के लिए एक अरब टन का लक्ष्य नियांत करना चाहिए।

कंपनी ने अपने नए प्रॉसेप्ट्स में कहा कि एक बैरल के साथ सह-स्थित है, जो एकोकूट वैश्वक आपूर्ति श्रृंखला समर्थन प्रदान करने के लिए एक अरब टन का लक्ष्य नियांत करना चाहिए।

कंपनी ने अपने नए प्रॉसेप्ट्स में कहा कि एक बैरल के साथ सह-स्थित है, जो एकोकूट वैश्वक आपूर्ति श्रृंखला समर्थन प्रदान करने के लिए एक अरब टन का लक्ष्य नियांत करना चाहिए।

कंपनी ने अपने नए प्रॉसेप्ट्स में कहा कि एक बैरल के साथ सह-स्थित है, जो एकोकूट वैश्वक आपूर्ति श्रृंखला समर्थन प्रदान करने के लिए एक अरब टन का लक्ष्य नियांत करना चाहिए।

कंपनी ने अपने नए प्रॉसेप्ट्स में कहा कि एक बैरल के साथ सह-स्थित है, जो एकोकूट वैश्वक आपूर्ति श्रृंखला समर्थन प्रदान करने के लिए एक अरब टन का लक्ष्य नियांत करना चाहिए।

कंपनी ने अपने नए प्रॉसेप्ट्स में कहा कि एक बैरल के साथ सह-स्थित है, जो एकोकूट वैश्वक आपूर्ति श्रृंखला समर्थन प्रदान करने के लिए एक अरब टन का लक्ष्य नियांत करना चाहिए।

कंपनी ने अपने नए प्रॉसेप्ट्स में कहा कि एक बैरल के साथ सह-स्थित है, जो एकोकूट वैश्वक आपूर्ति श्रृंखला समर्थन प्रदान करने के लिए एक अरब टन का लक्ष्य नियांत करना चाहिए।

कंपनी ने अपने नए प्रॉसेप्ट्स में कहा कि एक बैरल के साथ सह-स्थित है, जो एकोकूट वैश्वक आपूर्ति श्रृंखला समर्थन प्रदान करने के लिए एक अरब टन का लक्ष्य नियांत करना चाहिए।

कंपनी ने अपने नए प्रॉसेप्ट्स में कहा कि एक बैरल के साथ सह-स्थित है, जो एकोकूट वैश्वक आपूर्ति श्रृंखला समर्थन प्रदान करने के लिए एक अरब टन का लक्ष्य नियांत करना चाहिए।

कंपनी ने अपने नए प्रॉसेप्ट्स में कहा कि एक बैरल के साथ सह-स्थित है, जो एकोकूट वैश्वक आपूर्ति श्रृंखला समर्थन प्रदान करने के लिए एक अरब टन का लक्ष्य नियांत करना चाहिए।

कंपनी ने अपने नए प्रॉसेप्ट्स में कहा कि एक बैरल के साथ सह-स्थित है, जो एकोकूट वैश्वक आपूर्ति श्रृंखला समर्थन प्रदान करने के लिए एक अरब टन का लक्ष्य नियांत करना चाहिए।

कंपनी ने अपने नए प्रॉसेप्ट्स में कहा कि एक बैरल के साथ सह-स्थित है, जो एकोकूट वैश्वक आपूर्ति श्रृंखला समर्थन प्रदान करने के लिए एक अरब टन का लक्ष्य नियांत करना चाहिए।

कंपनी ने अपने नए प्रॉसेप्ट्स में कहा कि एक बैरल के साथ सह-स्थित है, जो एकोकूट वैश्वक आपूर्ति श्रृंखला समर्थन प्रदान करने के लिए एक अरब टन का लक्ष्य नियांत करना चाहिए।

कंपनी ने अपने नए प्रॉसेप्ट्स में कहा कि एक बैरल के साथ सह-स्थित है, जो एकोकूट वैश्वक आपूर्ति श्रृंखला समर्थन प्रदान करने के लिए एक अरब टन का लक्ष्य नियांत करना चाहिए।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC



Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

"Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए
50% की छूट



- ❖ आसाई
- ❖ पायरिया का ईलाज
- ❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- ❖ स्मार्टल डिजाइन
- ❖ इनविजिवल विलाप

Facilities

- ❖ दंत रोपण
- ❖ फिक्स दाँत लगाना
- ❖ अत्यधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER

SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

NEWS इन ब्रीफ

स्वाति मालीवाल के साथ बदसलूकी, कार चालक ने 15 मौटर तक घसीटा नई दिल्ली। दिल्ली की महिला अयोग की अधिक्षम स्वाति मालीवाल के साथ बदसलूकी का मामला सामने आया है। खुरारों के मुताबिक एक गाड़ी बाले ने नशे की हालत में स्वाति मालीवाल से छेड़छाड़ा की। स्वाति मालीवाल ने कहा जब मैं उसे पकड़ा तो गाड़ी के शीरे में मेरा हाथ बंद कर मुझे घसीटा। फिलाल दिल्ली पुलिस ने इस मामले में एक अरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। स्वाति मालीवाल खुद दीवाट कर इस बात की जानकारी दी है।

मुंबई-गोवा हाईके पर दो हादसों में 11 की मौत
रत्नगिरी/सिंधुदुर्ग। रत्नगिरी और सिंधुदुर्ग जिलों में मुंबई-गोवा राजमार्ग पर गुरुवार को दो अलग-अलग दुर्घटनाएँ कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और 24 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पहली घटना में, कम से कम नीं लोगों की उम्र समय मौत हो गई जब उनकी कार एक ट्रेन से टकराई। दूसरी घटना में सिंधुदुर्ग के कंकवली गांव के पास एक ट्रेन रफ्तार निजी बस के पलट जाने से दो यात्रियों की मौत हो गई और 23 अन्य घायल हो गए।

जयपुर लिटरेचर फेस्ट शुरू

जयपुर। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल का 10वां संस्करण गुरुवार से गुलाबी शहर में शुरू हो गया है। इसमें दुनिया भर से साहित्य, संगीत, कला और फिल्म से जुड़े 350 वक्ता शामिल हो रहे हैं। यह अनुटा महोत्सव 19 से 23 जनवरी तक जयपुर के होटल बलवर्स्ह आमेर में चलेगा। गुरुवार को उद्घाटन समारोह को नोबल पुरस्कार विजेता अब्दुलराजक गुरानाह ने फ्रंट लैंग में सुबह 9:50 बजे से संबोधित किया।

अर्मेनिया की सैन्य बैरक में आग, 15 सैनिकों की मौत

येरेवान। अर्मेनिया की एक सैन्य बैरक में धूमण आग लग गई। इस कारण 15 सैनिकों की मौत हो गई और कई दुर्घात लग गई। अर्मेनिया के पूर्वी गेश्वारुनिक क्षेत्र के अजात गांव में स्थित सेना की बैरक में आधी रात के बाद डेढ़ बजे के आसपास अचानक आग लगा। जिस समय आग लगा, सैनिक बैरकों में सो रहे थे। अचानक बैरकों में आग लगा। आग इन्हीं को लिया जाना दिया गया। अर्मेनिया के बैरकों को बुर्का करने के लिए नहीं दिया गया।

बोर्ड परीक्षा देने से रोकना अधिकारों का है उल्लंघन

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा : शिक्षा ही छात्रों का है भविष्य

फीस न दे पाने के कारण बच्चे को परीक्षा से नहीं कर सकते वंचित

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि फीस नहीं भर पाने के कारण एक छात्र को बोर्ड परीक्षा देने से रोकना भारत के संविधान की धारा का 21 के तहत गांधी बच्चे के अधिकारों का उल्लंघन होगा। जस्तिस मिनी पुकारा ने ये अदेश जारी किया।



समाज का भविष्य तय करते हैं। कोर्ट ने कहा कि बच्चों को फीस नहीं भर पाने की वजह से बोर्ड की परीक्षा में बैठने से रोका नहीं जा सकता है, खासकर तब जब वे 10वीं और 12वीं की परीक्षा देनेवाले हों। शिक्षा वो बुनियाद है, जिसके बजाए उसे नहीं दिया जा रही है। छात्र के अभिभावक को उस बात के लिए फटकारा लाई जाएगा।

की आर्थिक स्थिति काफी खराब है, जिसकी वजह से फीस जमा नहीं हो पाई थी। 10वीं की प्रैटिकल परीक्षाएं 18 जनवरी से शुरू हो रही हैं। कोट ने याचिकारकों द्वारा के अभिभावक की इस बात के लिए कोर्टकार लाई जाएगी। रेलवे के अनुसार भारत

मोदी ने विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन और शिलान्यास



एजेंसी। यादगीर/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री निर्देश मोदी ने गुरुवार को कर्नाटक के यादगीर जिले के कोडलक में सिंचाई, पेयजल और राष्ट्रीय राजमार्ग से जिला सामाजिक परियोजनाओं का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने आगे एक विकास भारत का निर्माण करना है। प्रधानमंत्री ने आगे एक विकास भारत का निर्माण करना है।

न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री अगले माह देंगी इस्तीफा

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्डर्न अगले माह अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की है। जैसिंडा एक रफरी को लेवर पार्टी की प्रमुख का पद भी छोड़ रही है। इस अवधि में हमें एक विकास भारत का निर्माण करना है।

जिससे इस क्षेत्र को काफी लाभ होगा। इस अगले 25 वर्षों के नए संकायों को सिद्ध करने के लिए एक छात्र को बोर्ड परीक्षा में शामिल करने का बोर्ड की परीक्षा में बैठने से रोका नहीं जा सकता है, खासकर तब जब वे 10वीं और 12वीं की परीक्षा देनेवाले हों। शिक्षा वो बुनियाद है, जिसके बजाए उसे नहीं दिया जा रही है। छात्र के अभिभावक

की आर्थिक स्थिति काफी खराब है, जिसकी वजह से फीस जमा नहीं हो पाई थी। 10वीं की प्रैटिकल परीक्षाएं 18 जनवरी से शुरू हो रही हैं। कोट ने याचिकारकों के लिए महज दो घंटे का होने जा रहा है। अबतीय रेतवे अब दिल्ली से राजस्थान के बीच पहली बारे भारत एक्सप्रेस चलाने जा रही है। रेलवे के अनुसार भारत

दो महिला सिपाहियों ने बैंक लूटने से बचाया

एजेंसी। हाजीपुर



बिहार में एक तरफ जहां रोज लूट, हत्या की खबरें सुनने को मिलती हैं, वहां दूसरी ओर वैशाली जिले से सुक्रुत और पुलिस की जांबाजी की खबर भी सामने आई है। वहां दो जांबाज महिला कार्टेंटरल (सिपाही) ने अपनी हिमत और कार्यवायरपात्र के उत्तरण पेश कर एक बैंक को लूटने से बचा लिया। वैशाली की पुलिस अधिकारी अब इन दोनों महिला सिपाहियों की जांबाजी से खुश होकर पुरस्कृत करने की घोषणा की है। इन्हीं दोनों जांबाजों को आगे बढ़ावा दिया जाएगा।

सेन्टुआरी चौक स्थित उत्तर बिहार यात्रा बैंक में बुधवार को महिला कार्टेंटरल से बचा लिया। वैशाली की पुलिस ने अपनी जांबाजी की खबर भी सामने आई है। वैशाली बैंक में बुधवार को महिला सिपाहियों ने दो दोषीय बैंक दोषीय बैंक में सोची चल रहे थे। इसी बीच चार बाद एक पुरस्कृत करने की घोषणा की जाएगी। इन्हीं दोनों जांबाजों को आगे बढ़ावा दिया जाएगा।

बैंक अंदर जाने लगे। इस पर सुरक्षा में तैयार सिपाहियों ने मास्क उतारने और पासबुक दिखाने को कहा। सिपाहियों की इस मार्ग पर बदलाव भड़क गई और प्रतिरक्षा के लिए दो दोषीय बैंक दोषीय बैंक में सोची चल रही है। इन्हीं दोनों जांबाजों को आगे बढ़ावा दिया जाएगा।

इन्हीं दोनों जांबाजों को आगे बढ़ावा दिया जाएगा। इन्हीं दोनों जांबाजों को आगे बढ़ावा दिया जाएगा। इन्हीं दोनों जांबाजों को आगे बढ़ावा दिया जाएगा।

सेन्टुआरी चौक स्थित उत्तर बिहार यात्रा बैंक में बुधवार को महिला सिपाही ने अपनी जांबाजी की खबर भी सामने आई है। वैशाली की पुलिस ने अपनी जांबाजी की खबर भी सामने आई है।

इन्हीं दोनों जांबाजों को आगे बढ़ावा दिया जाएगा। इन्हीं दोनों जांबाजों को आगे बढ़ावा दिया जाएगा।

इन्हीं दोनों जांबाजों को आगे बढ़ावा दिया जाएगा। इन्हीं दोनों जांबाजों को आगे बढ़ावा दिया जाएगा।

इन्हीं दोनों जांबाजों को आगे बढ़ावा दिया जाएगा।

सख्ती मुरादाबाद के एक कॉलेज में बुर्का पहनने को लेकर विवाद

छात्राओं को कॉलेज में प्रवेश करने से रोका



एजेंसी। मुरादाबाद
उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के एक कॉलेज में गुरुवार को बुर्का को पहनने को लेकर विवाद खड़ा हो गया। जिसके बाद कॉलेज में बुर्का पहन